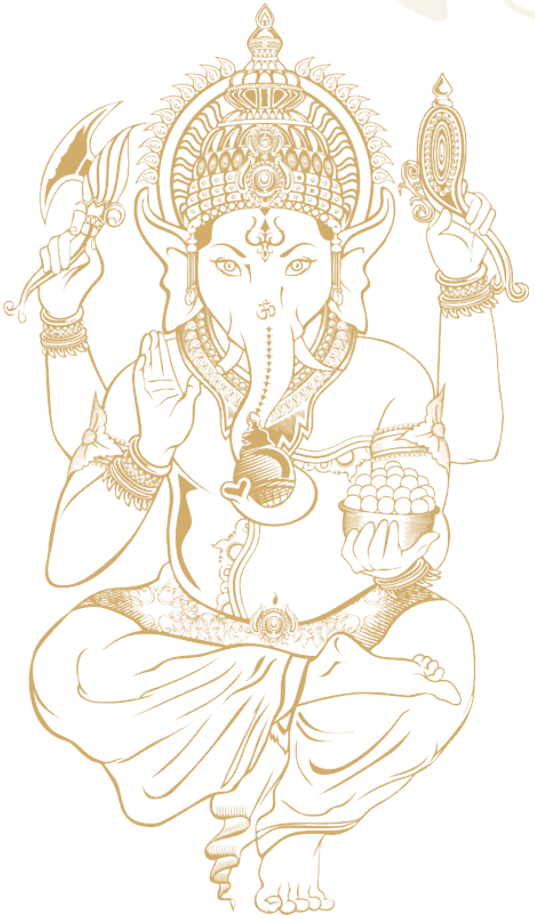

Janardan Tiwari

16 Apr 2001

09:15 AM

Degana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121715204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/04/2001**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	07:46:06 घटी
स्थान	**Degana**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:46:00 उत्तर
रेखांश	74:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:42:08 घंटे
वेलान्तर	00:00:11 घंटे
साम्पातिक काल	22:19:35 घंटे
सूर्योदय	06:08:33 घंटे
सूर्यास्त	18:57:17 घंटे
दिनमान	12:48:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:20:52 मेष
लग्न के अंश	24:21:30 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:21:30	350:51:20	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मेष	02:20:52	00:58:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मक	07:53:23	11:49:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			धनु	01:35:59	00:15:45	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	24:29:22	01:59:06	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			वृष	16:34:20	00:11:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	07:54:51	00:09:49	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि			वृष	05:34:18	00:06:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	15:32:44	00:00:29	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	15:32:44	00:00:29	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:12:34	00:02:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:44:18	00:00:49	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:10:53	00:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	09:04:12	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:12

लग्न-चलित

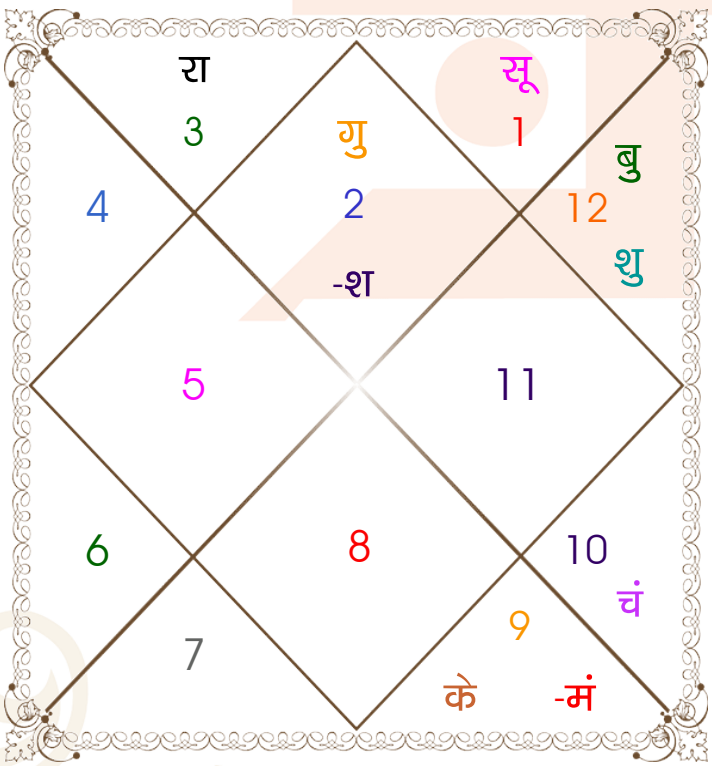

चन्द्र कुंडली

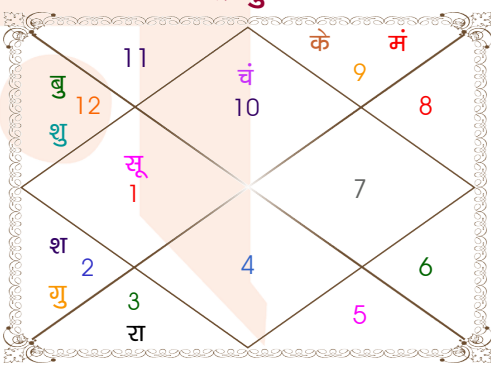

नवमांश कुंडली

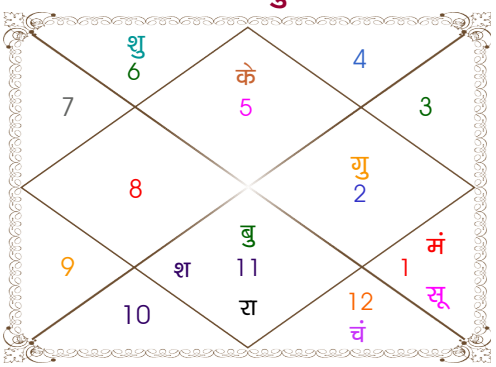

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/04/2001		29/03/2002		28/03/2012		29/03/2019		29/03/2037	
29/03/2002		28/03/2012		29/03/2019		29/03/2037		29/03/2053	
	00/00/0000	चंद्र	27/01/2003	मंगल	24/08/2012	राहु	09/12/2021	गुरु	17/05/2039
	00/00/0000	मंगल	28/08/2003	राहु	12/09/2013	गुरु	04/05/2024	शनि	27/11/2041
	00/00/0000	राहु	26/02/2005	गुरु	19/08/2014	शनि	11/03/2027	बुध	04/03/2044
	00/00/0000	गुरु	28/06/2006	शनि	28/09/2015	बुध	27/09/2029	केतु	08/02/2045
	00/00/0000	शनि	27/01/2008	बुध	24/09/2016	केतु	16/10/2030	शुक्र	10/10/2047
	00/00/0000	बुध	28/06/2009	केतु	20/02/2017	शुक्र	15/10/2033	सूर्य	28/07/2048
	00/00/0000	केतु	27/01/2010	शुक्र	22/04/2018	सूर्य	09/09/2034	चंद्र	27/11/2049
	16/04/2001	शुक्र	28/09/2011	सूर्य	28/08/2018	चंद्र	10/03/2036	मंगल	03/11/2050
शुक्र	29/03/2002	सूर्य	28/03/2012	चंद्र	29/03/2019	मंगल	29/03/2037	राहु	29/03/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/03/2053		28/03/2072		29/03/2089		28/03/2096		29/03/2116	
28/03/2072		29/03/2089		28/03/2096		29/03/2116		17/04/2121	
शनि	31/03/2056	बुध	25/08/2074	केतु	25/08/2089	शुक्र	29/07/2099	सूर्य	17/07/2116
बुध	09/12/2058	केतु	22/08/2075	शुक्र	25/10/2090	सूर्य	29/07/2100	चंद्र	15/01/2117
केतु	18/01/2060	शुक्र	22/06/2078	सूर्य	02/03/2091	चंद्र	30/03/2102	मंगल	23/05/2117
शुक्र	20/03/2063	सूर्य	28/04/2079	चंद्र	01/10/2091	मंगल	30/05/2103	राहु	17/04/2118
सूर्य	01/03/2064	चंद्र	27/09/2080	मंगल	27/02/2092	राहु	30/05/2106	गुरु	03/02/2119
चंद्र	30/09/2065	मंगल	24/09/2081	राहु	16/03/2093	गुरु	28/01/2109	शनि	16/01/2120
मंगल	09/11/2066	राहु	12/04/2084	गुरु	20/02/2094	शनि	29/03/2112	बुध	22/11/2120
राहु	15/09/2069	गुरु	19/07/2086	शनि	01/04/2095	बुध	28/01/2115	केतु	30/03/2121
गुरु	28/03/2072	शनि	29/03/2089	बुध	28/03/2096	केतु	29/03/2116	शुक्र	17/04/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।